

बांकी अदा बाबल शेर जी दिलिड़ी अ खे वणी आ ।
दर्शन में दिलिदार जे मन मौज घणी आ ॥
शोभा समेटे जग जी विधिना रखी चरणनि में ।
साहिब जी सुन्दरता अगियां ज़णु कांच मणी आ ॥
पेचदार आहे पगिड़ी घुंडीदार वारिड़ा ।
भालु विशालु भूरज जो धनु भृकुटी बणी आ ॥
मुखु चंद्र जियां चमके नेणनि में खुमारी ।
बोलीनि अमृत बोलिड़ा साईं शील मणीं आ ॥
छाती विशालु वीर जी आहे शेरु दिलि साईं ।
प्रेम जे रस राज़ जो ज़णु दिलिबरु धणी आ ॥
मुस्कान मंद माधुरी सभु मनिड़ा थी मोहे ।
कीरति मिठे करतार जी गाई सहस फणी आ ॥
भुज़ाऊं बाबल वीर जूं ज़णु कलप लता छांह ।
मिटिए टेई तापड़ा नितु खुशी घणी आ ॥
चरण कमल साहिब जा मिठी अमड़ि जीवन प्राण ।
माणीनि अचलु राज़िड़ो गुर नानक गणी आ ॥